भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3005

गुरुवार, 11 जुलाई, 2019/20 आषाढ़, 1941 (शक)

राष्ट्रीय राजमार्गों को छह लेन का बनाना

3005. श्री के. शनमुगा सुंदरमः

श्री पी. वेलुसामीः

क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतमाला परियोजना के अंतर्गत कोयम्बटूर शहर हेतु एक रिंग रोड सहित विद्यमान सलेम से कोयम्बटूर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-544) को छह लेन का बनाने की परियोजना शुरू कर दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी वर्तमान स्थिति क्या है तथा उक्त प्रयोजनार्थ कितनी निधि आबंटित और उपयोग की गई है;

(ग) उक्त कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(घ) सरकार द्वारा तमिलनाडु में चालू राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए क्या अन्य कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (घ) जी हॉ। कोयम्बटूर के रास्ते सलेम - कोचिन खंड भारतमाला परियोजना के अंतर्गत राष्ट्रीय कॉरिडोर के रूप में वर्गीकृत उत्तरी दक्षिणी कॉरिडोर का एक भाग है। कोयम्बटूर से चेंगापल्ली खंड पहले ही छह लेन का है और चेंगापल्ली से सलेम वर्तमान में चार लेन का है। चेंगापल्ली से सलेम (103 किमी) और कोयम्बटूर अर्द्ध रिंग रोड (81.80 किमी) के क्षमता निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। डीपीआर के परिणामों, परियोजना व्यवहार्यता और निधियों की उपलब्धता के आधार पर सड़क खंडों के विकास का कार्य शुरू किया जाता है। निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों को तेजी से पूरा करने के लिए तमिलनाडु सरकार के वरिष्ठ स्तरीय अधिकारियों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं।

******